महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद,गोरखपुर
संस्थापक–सप्ताह समारोह 2023

(4 दिसम्बर से 10 दिसम्बर)

मो. : 9415822524
9140775309
9451851216

प्रतियोगिता परिणाम एवं अन्य जानकारी के लिए देखें website – www.mpspgkp.in

मुख्य संरक्षक : गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

दिनांक : 04.12.2023

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना भारतीय समाज में उत्कृष्ट शिक्षा, सेवा राष्ट्र प्रेम एवं सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्यों को लेकर युगद्रष्टा ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 ई. में की थी। आज यह शैक्षिक पुर्नजागरण की संस्था एक विराट वृक्ष की भॉति अपने छॉव में 50 से अधिक शिक्षण प्रशिक्षण एवं चिकित्सा की संस्थाओं को संचालित कर रही है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद नव भारत निर्माण व राष्ट्र के लिए समर्थ युवा पीढ़ी के सृजन एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उक्त बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित शोभा यात्रा कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए बतौर **मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय सेना के पूर्व थल सेनाध्यक्ष, (पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम) (अ.प्रा.), एवं माननीय राज्यमंत्री**, केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग, भारत सरकार, **नई दिल्ली जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह जी** ने कही। आगे उन्होंने यह भी कहा कि यहां के विद्यार्थी विकसित भारत के कर्णधार हैं। हम सभी को निरन्तर यह प्रयत्न करते रहना चाहिए कि विद्यार्थी देश व समाज के विकास में एक प्रबल स्तम्भ साबित हों। इस शिक्षण संस्थान के कुलगीत तथा हिन्दुआसूर्य महाराणा प्रताप जी के व्यक्तित्व से हम सभी को यह सीख मिलती है कि **बाधाएं कितना भी कठिन हो उससे घबड़ाकर कभी पीछे न हटें, बल्कि डटकर के सामना करें।** साथ ही साथ जीवन की विभिन्न चुनौतियों, पारिवारिक समस्याओं, समाज व राष्ट्र की समस्याओं के समाधान के लिए निरन्तर लगे रहें। वस्तुतः किसी समाज और राष्ट्र का उत्थान और प्रगतिशीलता वहां की जनता, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों के उत्कृष्ट चिन्तन और वैचारिकी से होती है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समाज व राष्ट्र के बेहतर विकास में मील का पत्थर है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद भारतीय समाज के शैक्षिक विकास की धुरी है। भावी पीढ़ी को शिक्षा व्यवस्था जैसा निर्मित करेगी, देश का भविष्य वैसा ही बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं द्वारा राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा का संकल्प, मातृभूमि के प्रति समर्पण और त्याग, माता–पिता तथा गुरू के प्रति श्रद्धावनत् रहने का भाव सहित भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान के साथ नैतिकता एवं मानक मूल्य पढ़ाया जाना राष्ट्रसेवा का एक अभिनव प्रयास है। नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्यवन में भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की भूमिका सराहनीय है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए **उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, पूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारे लिए अनुशासन का पर्व है। अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा इस

आयोजन का प्राण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि समारोह के मुख्य अतिथि **जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह जी** ने भारतीय सेना को नेतृत्व प्रदान किया तथा भारत की आन, बान, शान के लिए वे अगली पंक्ति में खड़े रहे। जनरल वी.के. सिंह निश्चित ही विद्यार्थियों के लिए प्रेरणापुंज हैं। वस्तुतः व्यक्ति को कथनी और करनी के समन्वय की साथ बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकता है। महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना इसलिए की थी कि शिक्षा के माध्यम से भारतीय समाज को और भी सशक्त बनाया जा सके। आज यह शिक्षा परिषद शिक्षा और समाज के आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी संस्कृति और आदर्शों के साथ ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में निरन्तर कार्य कर रही है। इसकी भूमिका सदैव समाज को मार्गदर्शन देती रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि **अमृत काल में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी के पंच प्रण से महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि देश के 142 करोड़ जनसंख्या के साथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रत्येक शिक्षक, विद्यार्थी उनके परिवार को जुड़कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए भारत के नव निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चत करना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत ही विकसित भरत का मार्ग प्रशस्त करेगा।** वास्तव में भारत की सम्पूर्ण आबादी पंचप्रण के लक्ष्यों के साथ जुड़ जाय तो, भारत विश्व के शीर्ष स्थिति पर सदैव बना रहेगा। हम सभी को विशेष रूप से विद्यार्थियों को अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन भली प्रकार से करना चाहिए, चाहें वे जिस भी क्षेत्र में हों। आगे उन्होंने यह भी कहा कि मुझे आशा और विश्वास है कि पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज द्वारा प्रारम्भ किये गये सामाजिक समरसता तथा स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रियता का अपना दायित्व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् सदैव निभाता रहेगा। हम भावी पीढ़ी को अनुशासन एवं शील का पाठ पढ़ाते रहेंगे तथा उनमें भारतीय संस्कृति की ज्ञान धारा प्रवाहित करते रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि **जनरल (डॉ.) वी.के. सिंह जी ने** शोभायात्रा के शुभारम्भ की घोषणा की। **महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो.यू.पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।** इसी क्रम में एन.सी.कैडेट्स द्वारा मुख्य अतिथि को **गार्ड ऑफ ऑनर** दिया गया। महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना तथा कुलगीत के साथ भव्यतम संस्थापक–सप्ताह समारोह का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

समारोह का मुख्य आकर्षण शोभा यात्रा, राष्ट्रगीत के साथ प्रारम्भ हुई। शोभा यात्रा में अलग–अलग सस्थाओं की छात्र– छात्राएं अपने गणवेश में, राष्ट्रगीतों की धुन पर बजते बैंड, विविध झांकियों के साथ **"भारत माता की जय", वन्दे मातरम्, गांव–गांव में जायेंगे, सामाजिक समता लायेंगे, एक बनेंगे नेक बनेंगे, विविधता में एकता भारत की विशेषता, अलग भाषा अलग वेश फिर भी अपना एक देश, हम सब हैं भारत के लाल, छूआछूत का कहाँ सवाल, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत** आदि गगन भेदी नारों के साथ पर्यावरण प्रदूषण, इन्सेफलाइटिस, आन्तरिक सुरक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, डिजिटल इण्डिया,

मो. : 9415822524
9140775309
9451851216

कौशल विकास, स्टार्टप इण्डिया, जी–20, मिशन चन्द्रयान, मोटा अनाज, एस–400, ब्रह्मोस मिसाइल तथा 'उत्तर प्रदेश विकास की ओर' राम मन्दिर, अन्तरिक्ष हो या जल थल, मिशन शक्ति, नारी सशक्तिकरण, आओ अयोध्या चलें, विश्व गुरू भारत जैसे विविध झांकियों के साथ छात्र और छात्राओं द्वारा सामाजिक परिवर्तन में अपनी भूमिका और राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्पबद्धता की उद्‌घोषणा करते हुए शोभायात्रा सम्पन्न हुई। समारोह का **संचालन डॉ.श्रीभगवान सिंह** ने तथा **आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप प्रताप इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य, डॉ. अरूण कुमार सिंह** ने किया।

इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम बालापार, गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की माननीय कुलपति प्रो. पूनम टण्डन, ब्रिगेडियर डॉ. डी.सी.ठाकुर, जनप्रतिनिधिगण माननीय सांसद, श्री रविकिशन शुक्ल, माननीय विधायक श्री बिपिन सिंह, श्री महेन्द्र पाल सिंह, श्री प्रदीप शुक्ला, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण श्री राजेश मोहन सरकार, श्री धर्मेन्द्र सिंह, श्री प्रमोद कुमार चौधरी, श्री अनन्य प्रताप शाही, श्री ज्योति प्रकाश मस्करा, श्री रेवती रमण दास अग्रवाल, श्री प्रमथनाथ मिश्र, श्री राम जन्म सिंह, योगी कमलनाथ जी, महंत रविन्द्र दास जी, महंत सतुआ बाबा, शिक्षा परिषद के समस्त संस्थाध्यक्ष शिक्षक एवं विद्यार्थीगण के साथ नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संस्थापक-सप्ताह समारोह में आज

दिनांक 5 दिसम्बर 2023 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक–सप्ताह समारोह में **गोरखवाणी प्रतियोगिता**–कनिष्ठ वर्ग, महाराणा प्रताप सी.से.स्कूल बेतियाताहाता, गोरखपुर, वरिष्ठ वर्ग, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज (सभागार) गोरखपुर, **योगासन प्रतियोगिता**–प्रताप आश्रम गोलघर गोरखपुर में, **चित्रकला प्रतियोगिता**–दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज (कला संकाय) गोरखपुर में, **शिक्षाप्रद संत वचन प्रतियोगिता**–दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज गोरखपुर के बी.एड़. विभाग में, **कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ)** महाराणा प्रताप पालिटेक्निक गोरखनाथ गोरखपुर में एवं **बालिका वर्ग (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ)** महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, गोरखपुर में सम्पन्न होगी।

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
मीडिया प्रभारी